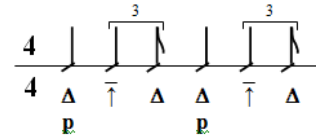


ПОМНИШЬ ДОЖДЬ

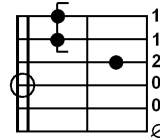
Музыка С. Никитин, стихи Б. Рыжий

| Помнишь | дождь на улице | Титова, | E₇
 | Gm | A₇ | D₇
 | что прошёл | немного пого | дя
 | Dm⁷ | G₇ | C₇₊
 | после | слёз и сказанного | слова?
 | H₉ | Dm E₇
 | Ты не помнишь | этого дождя!

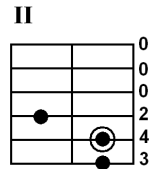


| Am | E₇ | Am Am/⊙g
 | Помнишь | под озябшими | кустами
 | F/⊙f | A₇/⊙e | Dm
 | мы с | тобой | простояли | час,
 | G₇ | Am | Dm D[#]dim
 | и трамвай | сонными | глазами
 | Am/⊙e | E₇/⊙e | Am E₉
 | нехотя | оглядывали | нас?

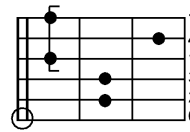
Dm⁷



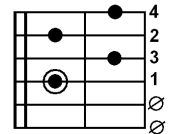
C₇₊



E₉



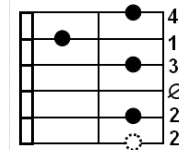
D[#]dim



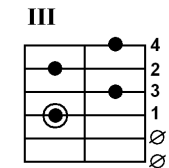
Озирались сонные трамваи,
 и вода по мордам их текла.
 Что ещё, Иринушка, не знаю,
 но, наверно, музыка была.

Скрипки ли невидимые пели
 или что иное, если взять
 двух влюбленных на пустой аллее,
 музыка не может не играть.

H₉

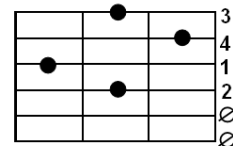


Fdim



| C | Dm⁷ G₇
 | Постояю | немного на по | роге,
 | Dm⁷ | G₇ | C
 | а потом | отчалию | навсегда
 | Dm⁷ | G₇ | Dm⁷ G₇
 | без му | зыки, но по | той до | роге,
 | Dm⁷ | G₇ | C
 | по ко | торой мы | пришли | сюда.

II → F₉ III → F[#]₉ IV → G₉



| Gm⁷ | C₇ | F
 | И посколь | ку сердце | не за | было
 | E₇ | A₇ | D₇ G₉ F[#]₉
 | взор твой, | надо то | же не за | бывать
 | F₉ | Fdim | C A₇
 | поблагод | арить за | всё, что | было,
 | D₇ | G₉ | C E₉
 | потому | что не за | что про | стить.